an>

Title: Need to formulate policy and programmes to improve the agricultural productivity and income of farmers in the country.

श्री राहुल कस्वां **(चुरू) :** भारत में किसान की स्थिति अत्यंत दयनीय है। अगर कृषि के विषय पर गंभीरता से कार्य नहीं किया गया तो भविष्य में ओर भी विकराल रूप धारण कर लेगी। भारत में कुल जनसंख्या का लगभग 6 प्रतिशत अर्थात् 75 करोड़ लोग कृषि एवं कृषि आधारित कार्यों पर जीवन-यापन करते हैं। वर्ष 2013 के अनुसार कृषि एवं कृषि आधारित कार्यों का सकल घरेलू उत्पाद में केवल 13.7 प्रतिशत ही योगदान है व प्रति व्यक्ति वार्षिक आय 18266 रूपये ही है जो गैर कृषि कार्य करने वाली जनसंख्या की प्रति व्यक्ति आय लगभग 1 लाख 74 हजार रूपये है, जो कृषि आधारित जनसंख्या की प्रति व्यक्ति आय की तुलना में 10 गुणा अधिक है। अमेरिका में कुल जनसंख्या का 1 प्रतिशत (मात्र 25 लाख) लोग कृषि पर आधारित हैं और अमेरिका का कुल कृषि उत्पाद 46 लाख 54 हजार करोड़ रूपये है अर्थात कृषि पर आधारित लोगों की प्रति व्यक्ति आय 1.86 करोड़ रूपये वार्षिक से भी अधिक है जो भारत की तुलना में हजार गुणा से भी अधिक है। भारत में फसल बीमा के लिए वर्ष 2013 में मात्र 3 हजार करोड़ रूपये दिया गया है जो कुल कृषि उत्पाद का 0.23 प्रतिशत ही है जो कुल उत्पादन की तुलना में नगण्य है। यह राशि किसान की मदद करने में अपर्याप्त है। अमेरिका में वर्ष 2013 के अनुसार 7.20 लाख करोड़ रूपये का फसल बीमा किया गया है जो कुल कृषि उत्पाद का 16 प्रतिशत के लगभग है। भारत में व्यापक स्तर पर कृषि आधारित आधारभूत संरचनाएं जैसे सिंचाई का विकास, उत्तम किस्म के बीज आदि की व्यवस्था की जानी चाहिए तथा कृषि संबंधित नई तकनीकों एवं विधियों का प्रयोग केवल प्रयोगशालाओं में ही न करके किसानों के खेतों में जाकर किया जाना चाहिए ताकि किसान एक-दूसरे को देखकर उसका अनुसरण कर अधिक से अधिक लाभान्वित हो सके जिससे किसान की दयनीय स्थिति में सुधार हो सके।

अतः मेरा केन्द्र सरकार से निवेदन है कि किसान की दशा में सुधार के लिए कदम उठाए जाएं।